TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

20 अप्रैल 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा वह दरवाजा है, जिसे खोलकर आप तरक्की के सारे रास्ते खोल सकते हो।

डॉ. भीमराव अंबेडकर

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

20 अप्रैल

मधु प्रिया

कॉलेज छात्र शोक जागरूकता दिवस 20 अप्रैल

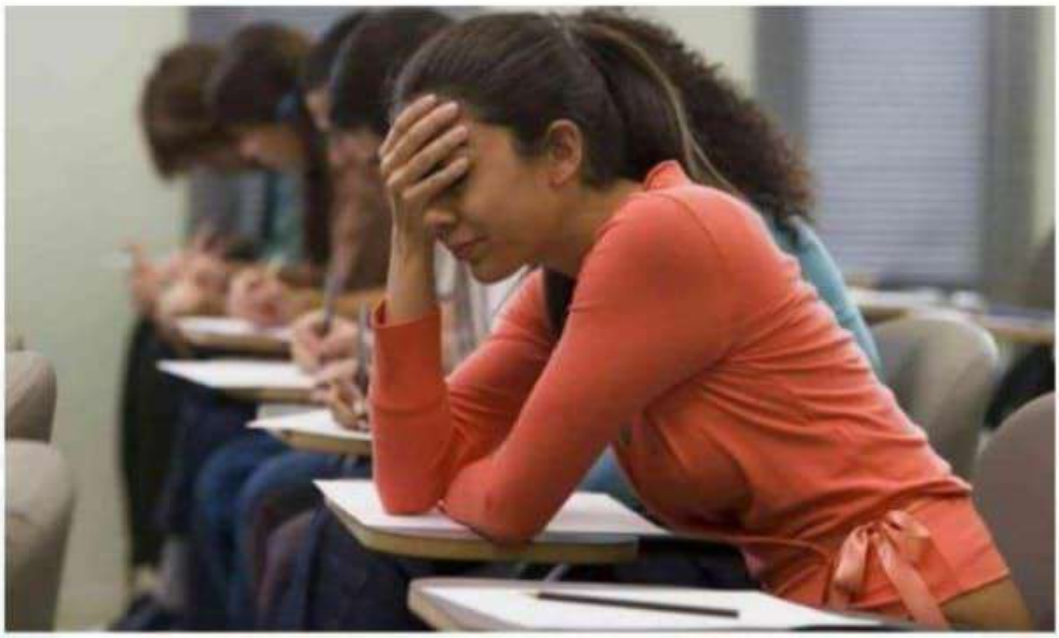

कॉलेज छात्र शोक जागरूकता दिवस हर वर्ष 20 अप्रैल को मनाया जाता है। कॉलेज के छात्रों, उनके संघर्षों और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को पहचानने के लिए बनाए गए । इस राष्ट्रीय जागरूकता दिवस के लिए हर साल अप्रैल के तीसरे गुरुवार को अलग रखा जाता है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में हर पांच में से कम से कम एक कॉलेज छात्र निरंतर दबाव का सामना करने के कारण दु:ख या उदासी से ग्रस्त है। यह अवकाश उसके बारे मेंजागरूकता बढ़ाता है और स्थिति को सुधारने के तरीकों पर बातचीत को प्रोत्साहित करता है। मनोवैज्ञानिक मुद्दों और विकृतियों को हमेशा अच्छी तरह से नहीं समझा गया है। हालांकि अवसादग्रस्तता विकार आजकल अच्छी तरह से प्रलेखित हैं, कॉलेज के छात्र दु: ख को आम तौर पर हाल के विकास के रूप में माना जाता है जिसमें कई भेदों की पहचान की जाती है।आंकड़ों के अनुसार, हर छह कॉलेज छात्रों में से कम से कम एक उदासी या शोक से पीड़ित है।अवसाद के कारण आत्महत्या कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। एक कॉलेज के छात्र में अवसाद के शुरुआती लक्षण लगभग हमेशा अपने पहले वर्ष में दिखाई देते हैं, जो उनके अध्ययन की शेष अवधि के लिए उनके दृष्टिकोण को ढालता है।अवसाद के कभी-कभी कोई स्पष्ट कारण नहीं होते हैं और किसी पहचाने जाने योग्य कारण के समाप्त होने के बाद भी बने रह सकते हैं। अवसाद और शोक अक्सर कोई दिखाई देने वाले लक्षण नहीं दिखा सकते हैं, और पीड़ित शायद ही कभी समर्थन या पेशेवर सहायता मांगते हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

पुण्यतिथि विशेष 20 अप्रैल

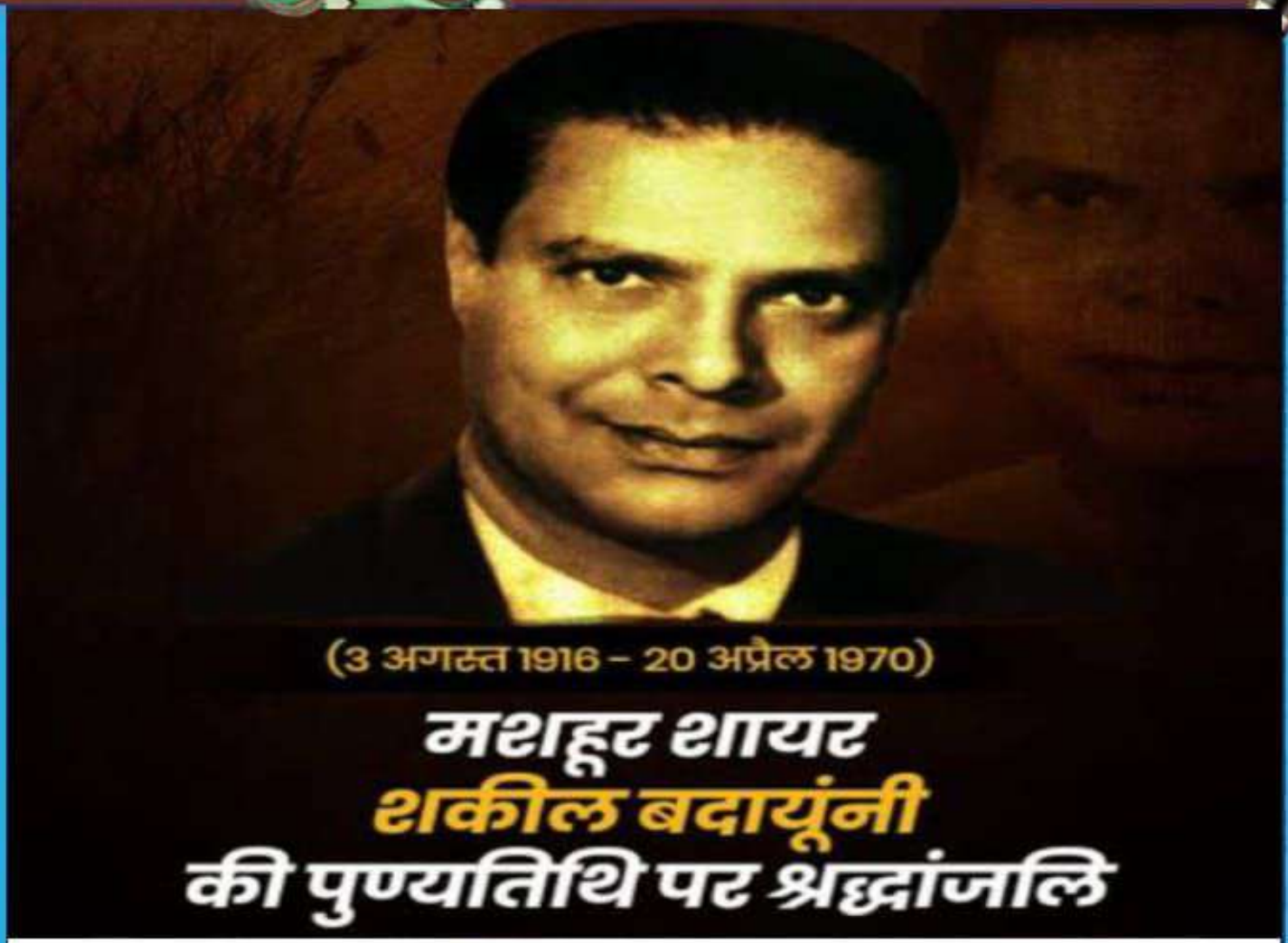

शकील बदायूनी (उर्दू: شکیل بدایونی) (जन्म : 03 अगस्त 1916 - निधन: 20 अप्रैल 1970) का जन्म स्थान उत्तर प्रदेश का शहर बदायूँ है। यह एक उर्दू के शायर और साहित्यकार थे। लैकिन इन्होंने बालीवुड में गीत रचनाकार के रूप में नाम कमाया।

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

प्रत्येक अमावस्या को सूर्य ग्रहण नहीं होता है क्यौ?

क्योंकि वह तल जिसमें चन्द्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है और तल जिसमें पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है, एक नहीं है।ये दोनों तल आपस में कुछ झुके हुए हैं। अतः प्रत्येक अमावस्या को सूर्य ग्रहण नहीं होता है।

Madhu priya

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

नेप्टूनियम(Neptunium)

एक्टिनाइड सीरीज

संकेत (symbol)- **Np**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -93

परमाणु भार (A.weight) -237

समूह-f block groups

आवर्त (period)-7

ब्लाक (block)-f

संयोजकता- 7

समस्थानिक -5

विन्यास -$[Rn]5f^4 6d^1 7s^2$

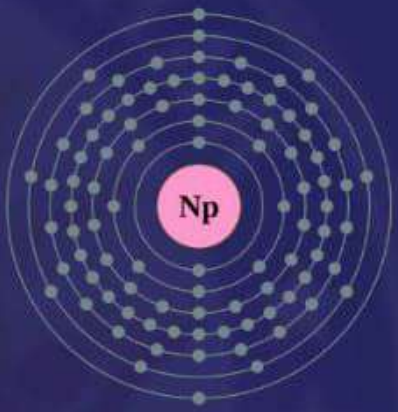

खोज

1940, एडविन मैकमिलन, फिलिप एच. एबेलसन

भौतिक गुण

चांदी सफेद, रेडियोधर्मी, जहरीला धातु

रासायनिक गुण

आक्सीजन, पानी तथा अम्ल के साथ प्रतिक्रियाशील

उपयोग

रेडियो आइसोटोप,थर्मल जेनरेटर

Anu priya

IPL में डिफेंड किए गए स्कोर

टीम	स्कोर	विपक्षी टीम	परिणाम	साल
पंजाब किंग्स	111	कोलकाता	PBKS 16 रन से जीता	2025
चेन्नई सुपर किंग्स	116/9	किंग्स इलेवन पंजाब	CSK 24 रन से जीता	2009
सनराइजर्स हैदराबाद	118	मुंबई इंडियंस	SRH 31 रन से जीता	2018
किंग्स इलेवन पंजाब	119/8	मुंबई इंडियंस	PBKS 24 रन से जीता	2009
सनराइजर्स हैदराबाद	119/8	पुणे वॉरियर्स	SRH 11 रन से जीता	2013

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **20.04.2025**

शिक्षा में आरोह-अवरोह

शिक्षा में आरोह-अवरोह **(Ascending and Descending)** का मतलब है कि किसी भी चीज को धीरे-धीरे बढ़ाना या घटाना। यह शब्द आमतौर पर संगीत में प्रयोग होता है, लेकिन शिक्षा में इसका प्रयोग ज्ञान और कौशल के विकास को दर्शाने के लिए किया जाता है। आरोह का मतलब है ज्ञान और कौशल का धीरे-धीरे बढ़ना, जबकि अवरोह का मतलब है इनका धीरे-धीरे कम होना।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Antarctica में 1 साल तक सुरज नहीं डूबता है, यहां मई से जुलाई तक **सूरज** पूरी तरह गायब रहता है, और फिर **नवंबर से जनवरी** तक लगातार दिन होता है — बिना रात के! यहां रहना **इंसानी दिमाग** के लिए बेहद **चुनौतीपूर्ण** होता है।

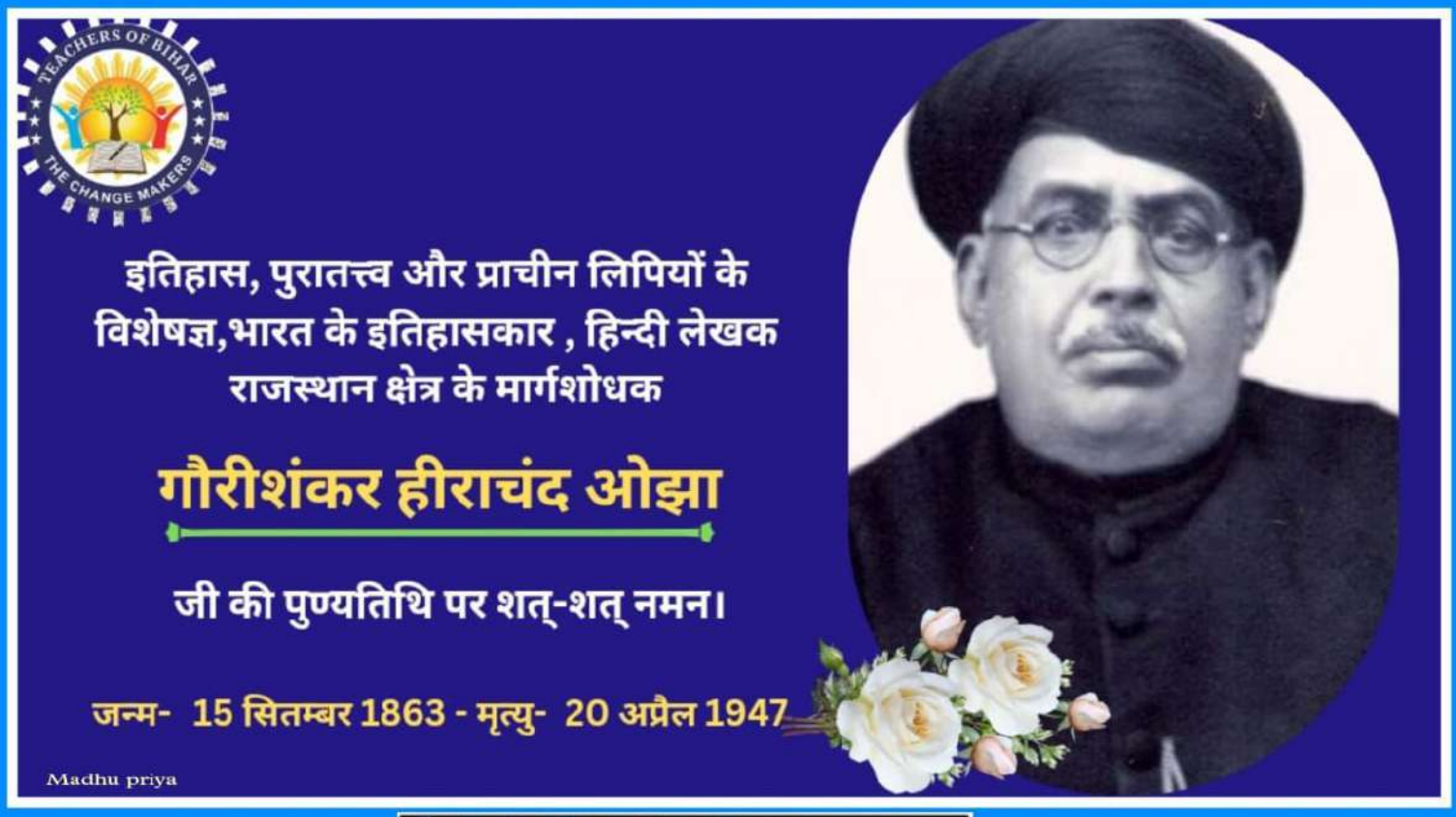

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
इतिहास, पुरातत्त्व और प्राचीन लिपियों के
विशेषज्ञ,भारत के इतिहासकार , हिन्दी लेखक
राजस्थान क्षेत्र के मार्गशोधक
गौरीशंकर हीराचंद ओझा
जी की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।
जन्म- 15 सितम्बर 1863 - मृत्यु- 20 अप्रैल 1947
Madhu priya
/teachersofbihar

उर्दू भाषा के जनक, एक विद्वान, एक भाषाविद्,
"बाबा-ए-उर्दू" के नाम से विख्यात

मौलवी अब्दुल हक

जी की जयंती पर शत्-शत् नमन।

जन्म- 20 अप्रैल 1870 - मृत्यु - 16 अगस्त 1961

मधु प्रिया

www.teachersofbihar.org